सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 21 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 21 फरवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

साख बनाने में बीस साल लगते हैं और उसे गंवाने में बस पांच मिनट।

-वॉरेन बफे

जनता झाड़ू से उतारेगी सत्ता का... 8 | सिराथू की जंग: पल्लवी के लिए... 3 | परिवारवादी बिजली नहीं जनता को... 7

गर्मी निकालने वालों की भाप निकालेगी जनता : अखिलेश

हर चरण के चुनाव में सपा को मिल रहा भारी जनसमर्थन, बनेगी गठबंधन की सरकार

» भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर पहुंची किसानों की आय नहीं हुई दोगुनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। जनपद हरदोई में जनसभा को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जनता का उत्साह बता रहा है कि प्रदेश में सपा गठबंधन की सरकार बनने वाली है। हर चरण के चुनाव में जनता सपा को जबरदस्त समर्थन दे रही है। नाराज जनता खुद भाजपा का मुकाबला कर रही है। जैसे-जैसे चुनाव अगले चरण में पहुंचेगा भाजपा के बूथों पर भूत नाचेंगे। जनता गर्मी निकालने वालों की भाप निकाल देगी। भाजपा के खिलाफ जनता में चार सौ चालीस वोल्ट का करंट चल रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के बयान बेहद घटिया हैं। जनता ने इनकी खटिया खड़ी कर दी है। इनका जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोल रहा है। भाजपा ने वादा किया था कि किसानों की आय दोगुनी करेंगे लेकिन क्या हुआ? आज तक आय दोगुनी नहीं हुई। खाद की बोरी से चोरी हो गयी। बाबा मुख्यमंत्री बहुत नाम बदल रहे थे। जहां जाते थे नाम और रंग बदल रहे थे, अब उनका नाम बदल दिया गया है। अच्छा किया उन्होंने बुलडोजर को मरम्मत में डाल दिया। ये सरकार में आ गए तो पेट्रोल दो सौ रुपये लीटर बिकेगा। जनता की नाराजगी देखकर भाजपा नेता दूर-दूर से प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि नौजवानों और किसानों का भाग्य बदलेगा। भाजपा ने जनता को गुमराह किया है। सपा की सरकार बनने पर तीन सौ यूनिट बिजली फ्री देंगे। किसानों को सिंचाई बिल नहीं देना होगा। भाजपा सरकार जब से आयी है नौजवानों की नौकरी छीन ली। सपा सरकार बनेगी तो 11 लाख पदों को भरने का काम करेंगे। हम भी बाबा मुख्यमंत्री के घर पर नजर रखे हुए हैं। वहां से धुआं निकल रहा है। अब धुएं के धब्बे हटाए जा रहे हैं। स्मार्ट फोन बांटे गए लेकिन यहां के लोगों को नहीं मिले। अब जनता और भाजपा का मुकाबला है। सपा जनता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि बसपा का कोई भरोसा नहीं किस तरफ जाएगी। सपा गठबंधन ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रही है। तीसरे चरण के चुनाव में भाजपा के बूथों पर सन्नाटा दिखा।

जनता की नाराजगी देख दूर-दूर से प्रचार कर रहे हैं भाजपा के नेता

कराएंगे जाति जनगणना: राजभर

सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि प्रदेश में सपा गठबंधन की सरकार बनने के छह महीने के भीतर जाति जनगणना कराएंगे। छुट्टा पशुओं से निजात दिलाएंगे। कांग्रेस और बसपा लड़ाई में नहीं है। बसपा भाजपा की सरकार बनाने के लिए परेशान हो रही है। भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर पहुंच गयी। ये कहते हैं कि हिंदू खतरे में है। साठ साल से हिंदू खतरे में नहीं था, भाजपा के आते ही हिंदू खतरे में आ गया।

प्रियंका ने किया रोड शो, बोलीं लोगों ने बनाया बदलाव का मन

» प्रदेश की जनता परेशान, मजबूती से लड़ रही कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने के बाद कांग्रेस उनके पक्ष में मजबूती से खड़ी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आज लखनऊ पहुंचीं और रोड शो किया।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने रोड शो के दौरान कहा कि जनता परिवर्तन चाहती है। वह परेशान है। लोगों के सामने महंगाई और बेरोजगारी की समस्या है पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस मजबूती से लड़ रही है। जनता चाहती है कि कोई नया आए। नई तरह की राजनीति आए।

फोटो: सुमित कुमार

पीएम ने महंगाई, बेरोजगारी और छुट्टा जानवरों पर कुछ नहीं कहा और चुनावों में वह कह रहे हैं कि उनको अब इस बारे में जानकारी मिली है। क्या सीएम ने उनको जानकारी नहीं दी? सरकारी पद खाली हैं तो बेरोजगारी क्यों हैं? प्रियंका ने गोमतीनगर के 1090 चौराहा से रोड शो शुरू किया। रोड शो के जरिए वे लखनऊ की सभी विधान सभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार कर रही हैं।

लखनऊ पहुंचे अरविंद केजरीवाल प्रत्याशियों के पक्ष में करेंगे प्रचार

» योगी के गढ़ गोरखपुर में भी सभा को करेंगे संबोधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मिशन यूपी शुरू कर दिया है। अरविंद केजरीवाल आज से अगले चार दिनों तक यूपी में पार्टी प्रत्याशियों के लिए प्रचार करेंगे और समर्थन जुटाने की कोशिश करेंगे। इस दौरान वह सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ गोरखपुर में भी प्रचार करने के लिए उतरने वाले हैं। केजरीवाल आज सुबह करीब 11 बजे लखनऊ पहुंचे। यहां अमौसी एयरपोर्ट पर आम आदमी पार्टी के समर्थकों ने ढोल नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया।

आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता वैभव माहेश्वरी ने बताया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अपने अभियान की शुरुआत राजधानी लखनऊ के कैसरबाग से किया। वे बाराबंकी, प्रयागराज और गोरखपुर भी जाएंगे और कई चुनावी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। केजरीवाल के साथ पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह और दिल्ली के कई विधायक भी मौजूद रहे। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर (सदर) सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। केजरीवाल यहां भी अपने प्रत्याशी के समर्थन में सभा और रोड शो करेंगे।

रोड शो में अखिलेश ने कहा, हमारी सरकार बनने पर आउटसोर्स नहीं परमानेंट नौकरी मिलेगी

» यूपी को बदहाली से खुशहाली की ओर ले चलने की अपील की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने प्रत्याशियों के समर्थन में कल लखनऊ में रोड शो किया। इस मौके पर उन्होंने भाजपा और सीएम योगी सरकार पर हमला जारी रखेत हुए लोगों से अपील की कि यह चुनाव संविधान बचाने का है। इसलिए हमारी सरकार बनाकर यूपी को बदहाली से खुशहाली की ओर ले चलें। हमारी सरकार बनने पर आउटसोर्स नहीं परमानेंट नौकरी मिलेगी। अखिलेश ने कहा तीन चरणों में बाबा का चेहरा उतर गया है। सातवें चरण तक यूपी में भाजपा का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा के लोग हम लोगों पर आरोप लगाते हैं कि हम लोग जातिवादी हैं। वो खुद सबसे बड़े जातिवादी हैं। भाजपा सरकार आते ही कहा गया कि हवाई चप्पल पहनने वाला हवाई जहाज में चलेगा। आज हवाई अड्डा, बन्दरगाह से लेकर रेल तक बेच डाली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नेता अब एबीसीडी सीख रहे हैं, मैं उनसे कहना चाहता हूं अगर काका चले गए तो बाबा भी चले जाएंगे(अगर काले खेत कानून वापस ले लिए गए, तो योगी जी भी वापस चले जाएंगे)। उन्होंने नाम बदल दिए, अब उन्हें बाबा बुलडोजर नाम दिया गया है। अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये सरकार संविधान बचाने का भी ये चुनाव है, ये ना केवल यूपी बल्कि देश को संदेश देने का काम करेगा। इससे पहले अखिलेश यादव ने उन्नाव में कहा था कि लखीमपुर में किसानों पर गाड़ी चढ़ाने वाले के यहां बाबाजी की सरकार की बुलडोजर जाएगी या नहीं?

सपा प्रत्याशी के समर्थन में निकाली साइकिल रैली

सुल्तानपुर में जयसिंहपुर सदर से सपा प्रत्याशी अरुण वर्मा के समर्थन में जिला उपाध्यक्ष छात्रसभा विजय यादव के नेतृत्व में 12 किमी साइकिल रैली निकाली गयी, जिसे मुख्य अतिथि निवेदिता वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर समाजवादी यूथ ब्रिगेड जिला उपाध्यक्ष शहजाद खान, बिट्टू दुबे, विष्णु यादव, मनीष यादव, अमित यादव, शैलेंद्र दुबे, शिवकुमार यादव, विवेक त्रिपाठी, कपिल मुदिन यादव, विधानसभा अध्यक्ष अध्यक्ष यूथ ब्रिगेड हिमांशु यादव आदि लोगों ने रैली में अखिलेश व मुलायम सिंह के समर्थन में नारे लगाए व सपा की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

हरदा को भरोसा, नहीं टूटेगा बदलाव का मिथक : हरीश रावत

» सत्ता में आने पर करेंगे केंद्र से अच्छे रिश्ते बनाने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड की पांचवीं विधानसभा चुनने के लिए 14 फरवरी को मतदान हो चुका है। अब सबको प्रतीक्षा है 10 मार्च की, जब मतगणना के बाद राज्य का राजनीतिक परिदृश्य स्पष्ट होगा कि नई सरकार कौन बना रहा है। चुनाव परिणाम को लेकर सभी दलों के अपने-अपने दावे हैं, लेकिन कांग्रेस के चुनाव अभियान का नेतृत्व करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत आश्वस्त हैं कि हर बार सत्ता में बदलाव का मिथक नहीं टूटेगा और सरकार कांग्रेस की ही बनेगी। रावत का कहना है कि कांग्रेस के सत्ता में आने पर भी उत्तराखंड में विकास कार्यों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि हम केंद्र से बहुत अच्छे रिश्ते बनाने की कोशिश करेंगे। प्रधानमंत्री के उत्तराखंडी टोपी पहनने

का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तराखंड श्रेय देना चाहे या न चाहे, लेकिन हकीकत यह है कि हमने प्रधानमंत्री को उत्तराखंडियत की पिच पर आने को विवश कर दिया। रावत ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया है कि संसाधन जुटाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। 2014 में आज से अधिक ध्वस्त अर्थव्यवस्था थी। आज जो स्थिति है, उसमें सुधार लाया जा सकता है, उस वक्त सुधार के लिए प्रतीक्षा करना जरूरी था। हम इसके बावजूद अर्थव्यवस्था के सभी मानकों को अच्छी स्थिति में ले आए थे, जब 2017 में भाजपा को सत्ता सौंपी। उसी विश्वास के आधार पर कहा कि हम आज भी ऐसा कर सकते हैं।

लोकतंत्र में जनता ही राजा और मालिक : प्रमोद तिवारी

» मुझे कोई शिकायत पार्टी नेतृत्व से नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के दिग्गज नेता और नौ बार प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट से निर्वाचित हो चुके प्रमोद तिवारी का मानना है कि जनता ने हर पार्टी को आजमाया है। अब जनता कांग्रेस को वापस लाना चाहती है। इसको लेकर उनके अपने तर्क है।

वह कहते हैं कि लोकतंत्र में जनता ही राजा और जनता ही मालिक होती है। उन्हें कांग्रेस नेतृत्व से कभी कोई गिला शिकवा नहीं रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस

में मुझे हमेशा मान मिला। जब पार्टी की सरकार थी, मुझे मंत्री बनाया। पार्टी सरकार में नहीं थी, तो मुझे विधानमंडल दल का नेता बनाया। इसके बाद राज्यसभा सदस्य बनाया गया। आज भी मैं कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्लूसी) जैसी सर्वोच्च कमेटी का मेंबर हूं। मुझे कोई भी शिकायत पार्टी नेतृत्व से नहीं हैं। वे कहते हैं कि जनता विकल्प चाहती है भाजपा का। मुझे पूरा भरोसा है कि प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार बनाएगी। जनता ने हर पार्टी को देख लिया है। बसपा हो, सपा हो या भाजपा। अब इस नतीजे पर धीरे-धीरे पहुंच रही है कि अगर सुख, शांति, समृद्धि, विकास और रोजगार चाहिए तो कांग्रेस को वापस लाना है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प, लड़कियों को स्कूटी, स्मार्ट फोन देना हैं जो पीड़ित हैं, दुखी हैं कोरोना से उनको 25 हजार की मदद है। इसके अलावा किसानों का कर्जा माफ भी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

आगे के चार चरणों में पुरानी पेंशन स्कीम के मुद्दे ने पकड़ी रफ्तार

कर्मचारी वर्ग सपा के पक्ष में हो रहा लामबंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ही लक्ष्य एक ही नारा... पुरानी पेंशन हक है हमारा। विधानसभा चुनाव में यह नारा यूपी के हर कर्मचारी की आवाज बन चुका हैं। अब तक हुए तीन चरणों में समाजवादी पार्टी की ओर से की गई घोषणा पुरानी पेंशन बहाली की मांग को भरपूर समर्थन मिला हैं। वहीं आगे के बचे चरणों में भी भरपूर समर्थन मिलने की उम्मीद दिख रही हैं। इसका सबसे बड़ा कारण शिक्षक व कर्मचारी संगठन की यह मांग वर्षों से लंबित थी, मगर चुनाव से पहले ओएसपी पर किया गया वादा सपा मुखिया अखिलेश यादव के लिए तुरप का पता साबित होगी।

कर्मचारी संगठन कई वर्षों से पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने की बात कर रहे थे। मगर भारी लागत और सरकारों की उपेक्षा ने इस मांग को ठंडे बस्ते में डाल

दिया था। मगर जब अखिलेश यादव ने सरकार बनने पर ओल्ड पेंशन स्कीम को बहाल करने का वादा किया तो कर्मचारियों के चेहरे खिल उठे। आखिरी के चार चरणों में सबसे ज्यादा कर्मचारी, शिक्षकों आदि की संख्या है, ऐसे में इस मुद्दे को सपा को फायदा मिलना तय है। इसी क्रम में पूर्व मंत्री नरेंद्र वर्मा ने तो अपनी पेंशन तक इसी मुद्दे पर छोड़ दी कि अगर प्रदेश के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन नहीं मिलेगी तो हम अपनी पेंशन कैसे ले सकते हैं। सपा से पूर्व सांसद लोकसभा एवं राज्यसभा उदय प्रताप सिंह भी अखिलेश के इस फैसले से खुश हैं। वहीं मजदूर संवाद यात्रा निकालकर मजदूरों कर्मचारियों के सवालों को सपा के घोषणा पत्र में शामिल करवाने वाले विधायक शशांक यादव आदि के प्रयासों से अब पुरानी पेंशन का मुद्दा बड़ा मुद्दा बन गया। मायावती ने भी सपा वाला दांव चला, मगर लोग बसपा की नीतियों से खुश नहीं है। चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ के प्रधान महासचिव अशोक कुमार, विजय कुमार कहते हैं कि पुरानी पेंशन का मुद्दा जो सरकार सुलझाएगी, हम उसके साथ हैं और नयी सरकार जो आएगी वो पुरानी पेंशन बहाली के ऐतिहासिक निर्णय लेगी।

सिराथू की जंग : पल्लवी के लिए आसान नहीं केशव की मोर्चेबंदी को तोड़ पाना

» डिप्टी सीएम की सीट पर छिड़ा सियासी संग्राम

» सपा से पल्लवी पटेल है चुनाव मैदान में

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से 150 किलोमीटर की दूरी पर सियासी संग्राम छिड़ा हुआ है। हम बात कर रहे हैं कौशांबी के हाई प्रोफाइल सिराथू सीट की। वही सिराथू जहां के चुनावी मैदान में खुद उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ताल ठोक रहे हैं। वहीं केशव को टक्कर देने के लिए समाजवादी पार्टी ने पल्लवी पटेल को प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा है। कौशांबी जिले की तीन सीटों में से सिराथू पर लड़ाई रोचक हो गई है, लेकिन बीजेपी का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कि खुद केशव प्रसाद मौर्य का मैदान में होना है। सिराथू से बीजेपी प्रत्याशी और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के सामने चुनाव लड़ रहीं सपा-अपना दल (कमेरावादी) गठबंधन की प्रत्याशी पल्लवी पटेल की राह कठिन है।

दरअसल, सिराथू में केशव मौर्य को घेरने के लिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दो हफ्ते पहले ही पल्लवी पटेल को प्रत्याशी बनाया। शुरुआती आनाकानी के बाद पल्लवी पटेल मैदान में उतर तो गयी हैं, लेकिन उनकी जीत की डगर इतनी आसान नजर नहीं आती है। इसकी

सबसे बड़ी वजह ऐन वक्त पर मैदान में उतरना है। यहां बीजेपी संगठन और केशव मौर्य ने बेहद सधी हुई मोर्चेबंदी कर रखी है। पल्लवी पटेल के लिए भाजपा संगठन की मोर्चेबन्दी को तोड़ पाना आसान नहीं है। बीजेपी के बूथ से लेकर सेक्टर तक कार्यकर्ता सक्रिय हैं, जिनकी लगातार मॉनीटरिंग एक बड़ी टीम कर रही है। इसके अलावा गरीबों का बांटे गए नि:शुल्क राशन का प्रभाव गरीब मतदाताओं पर साफ नजर आ रहा है। वहीं बहुजन समाज पार्टी ने सिराथू से मुंसब अली को मैदान में उतारा है। उसकी नजर दलित और मुस्लिम वोटों का समीकरण बनाने की है। मुंसब से पहले बसपा ने संतोष त्रिपाठी को टिकट दिया था लेकिन अब मुंसब अली के मैदान में आ जाने से सबसे अधिक नुकसान सपा की पल्लवी पटेल को हो रहा है। पल्लवी की कोशिश फिलहाल वोटों के बंटवारे को रोकने की है।

क्या है सिराथू विधान सभा सीट का जातीय समीकरण

सिराथू विधान सभा सीट दलित बाहुल्य है। यहां करीब 1.20 लाख दलित वोटर हैं। करीब 55 हजार मुस्लिम वोटर हैं। करीब 35 हजार पटेल, 28 हजार मौर्य, 25 हजार ब्राह्मण, 25 हजार यादव, 12 हजार पाल, 7 हजार प्रजापति, 28 हजार वैश्य, 6 हजार ठाकुर वोटर हैं। दलितों में अधिक संख्या पासी वोटरों की है।

बिजली पासी के नाम पर ओवरब्रिज

जातीय समीकरण बीजेपी के पक्ष में नजर आ रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह दलित वोटरों खासतौर पर पासियों में बीजेपी की मजबूत पकड़ है। सिराथू में ओवरब्रिज का नाम संत मलूकदास और बिजली पासी के नाम से रखा गया है। पहली बार पासी साम्राज्य के बड़े राजा रहे बिजली पासी के नाम से रखा गया है। इसके अलावा बीजेपी की कोशिश पटेल, मौर्य, ब्राह्मण, पाल, प्रजापति, वैश्य और ठाकुर वोटरों का वह समीकरण बनाने की है, जो किसी भी राजनीतिक दल के लिए अभेद्य हो। हालांकि पल्लवी की भी कोशिश पटेल, यादव, मुस्लिम, पाल बिरादरी के वोटरों में सेंधमारी की है, लेकिन इसमें अभी भाजपा की पकड़ मजबूत है।

केशव मौर्य को योजनाओं को मिल रहा है फायदा?

सिराथू में एक तरफ जातीय समीकरण के जरिए बीजेपी की कोशिश समीकरण साधने की है तो दूसरी तरफ योजनाओं के जरिए लाभार्थी वर्ग को अपने पाले में लाने की है। उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना, पीएम किसान सम्मान योजना और ई श्रम योजना के लाभार्थियों से बीजेपी कार्यकर्ता लगातार संपर्क कर रहे हैं और उनसे काम के बदले वोट मांग रहे हैं। इसके अलावा पिछले कुछ सालों में सिराथू में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर बदलाव हुए हैं। विधानसभा में बने तीन आरओबी और गंगा नदी पर बनाये गए पुल बनकर तैयार है। साथ ही मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू हो गया है। ये बड़ी योजनाएं केशव प्रसाद मौर्य के लिए चुनाव में मजबूत घेराबंदी का काम कर रही है।

बेरोजगारी के मुद्दे को हवा दे रही पल्लवी

पल्लवी पटेल बेरोजगारी के मुद्दे को हवा दे रही हैं। कौशांबी की बहू बताकर माहौल बना रही है। महिला होने के कारण महिलाओं के बीच भी पैठ बनाने की कोशिश कर रही हैं। साथ ही वह बेरोजगारी, आवारा पशु जैसे मुद्दे को उठा रही हैं। हालांकि पल्लवी के सामने सबसे बड़ा चैलेंज सभी बूथों तक पहुंचना है।

बहन को हराने के लिए मैदान में अनुप्रिया

सिराथू में दो बहनों की जंग भी देखने को मिल रही है। अपना दल में जिन दो बहनों की वजह से खींचतान हुई, वह अब सिराथू में आमने-सामने हैं। पल्लवी पटेल को हराने के लिए अनुप्रिया पटेल भी मैदान में कूद पड़ी हैं। केशव प्रसाद मौर्य के नामांकन के दौरान अनुप्रिया पहुंची थी और अब बीजेपी के समर्थन में रैली करेगी।

केशव के पक्ष में नेताओं की फौज, पल्लवी अकेलीं

सिराथू की हाई प्रोफाइल सीट पर केशव प्रसाद मौर्य के पक्ष में बीजेपी नेताओं की बड़ी फौज मैदान में उतर चुकी है जबकि पल्लवी पटेल के पक्ष में अभी कोई बड़ा नेता नहीं आया है। एक ओर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद केशव मौर्य के नामांकन में मौजूद थे, दूसरी ओर हर दिन कोई न कोई बीजेपी का बड़ा नेता कैंपेन कर रहा है। पल्लवी पटेल की मां कृष्णा पटेल खुद प्रतापगढ़ सदर सीट से चुनावी मैदान में हैं, इसलिए वह भी वहां व्यस्त हैं। इसके अलावा सपा की ओर से अभी किसी बड़े नेता का कार्यक्रम नहीं हुआ। हालांकि पल्लवी अभी चुनावी चौपाल लगाकर अपने पक्ष में माहौल करने की कोशिश कर रही हैं।

अब महिला वोटरों को लुभाने में जुटी भाजपा घर-घर संपर्क का चलाया जा रहा अभियान

» वोटिंग ट्रेंड देखकर शीर्ष नेतृत्व ने चला नया दांव कमल किटी क्लब से साध रहे वोटरों को

» विभिन्न राज्यों से बुलाया गया है महिला कार्यकर्ताओं को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में महिला मतदाताओं के प्रतिशत में बढ़ोत्तरी देखकर भाजपा ने नया दांव चला है। यूपी की महिला वोटरों की संख्या को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने किटी पार्टी की तर्ज पर 'कमल किटी क्लब' की शुरुआत की है। यहां अन्य राज्यों की भाजपा महिला कार्यकर्ताओं को भी उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के लिए उतारा गया है। ये महिलाएं घर-घर जाकर महिलाओं से मिल रही हैं और उनसे बात कर रही हैं और भाजपा के पक्ष में करने की कोशिश कर रही हैं।

यूपी विधान सभा चुनाव के लिए राजस्थान, हरियाणा, भोपाल, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश से भाजपा की महिला कार्यकर्ता 10 फरवरी को लखनऊ पहुंचीं थीं। वे अपने आगमन के 15 दिनों तक अपना चुनावी अभियान जारी रखेंगी। वे घर-घर जा रही हैं और महिलाओं को भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील कर रही है। लखनऊ की पांच विधान सभा सीटों पर हर प्रवासी महिला कार्यकर्ता भाजपा प्रत्याशी के लिए प्रचार कर रही है। लखनऊ की भाजपा महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष सीता नेगी ने कहा, 'जब भी हम महिलाओं से मिलने जाते हैं तो वे कहती हैं कि जब से यहां भाजपा की सरकार बनी है, तब से यहां महिलाओं के साथ जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, उससे वे संतुष्ट हैं। इसके अलावा, वे उनके लिए सरकार द्वारा शुरू की गई और लागू की गई योजनाओं से खुश हैं। इतना ही नहीं भाजपा इस बात पर भी ध्यान दे रही है कि कौन कहां जाएगा, उदाहरण के लिए गुजरात की महिला कार्यकर्ता गुजराती बहुल इलाकों में जा रही हैं। भाजपा की हरियाणा महिला विंग की ऋचा वशिष्ठ ने बताया, 'मेरी ड्यूटी 172 उत्तर विधान सभा में है। मतदान के दिन बड़ी संख्या में महिलाएं सामने आ रही हैं और इससे पता चलता है कि भाजपा सरकार ने क्या किया है। हम जहां भी जा रहे हैं महिलाएं गर्मजोशी के साथ हमारा स्वागत कर रही हैं।

दस मार्च को आएंगे नतीजे

उत्तर प्रदेश में सात चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव 10 फरवरी से शुरू हो गए हैं और पहले तीन चरणों के लिए मतदान हो चुका है। यूपी चुनाव का तीसरा चरण 20 फरवरी को हो चुका और वोटों की गिनती एक साथ 10 मार्च को होगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भारत-यूएई के बीच मुक्त व्यापार के मायने

कोरोना संकट के बीच भारत व संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच पूर्ण मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए)हुआ। इस एफटीए को कांप्रिहेंसिव इकोनामिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट का नाम दिया गया है। दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय वस्तु व्यापार को 100 अरब डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सवाल यह है कि यूएई से हुए एफटीए का देश की अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ेगा? क्या यूएई के बाजार के जरिए भारत अन्य देशों तक अपनी पहुंच बनाने में सफल होगा? किन उत्पादों के निर्यात सबसे अधिक होंगे? क्या यह किसानों और अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए फायदे का सौदा साबित होगा? क्या रोजगारपरक सेक्टर इससे प्रभावित होंगे? क्या भारतीय बाजार में रोजगार के नए साधन उपलब्ध होंगे? क्या रियायतों को देने का नकारात्मक असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा? क्या अब यूएई से व्यापार करने में तमाम शर्तों से देश के व्यापारियों और उद्योगपतियों को छूट मिल जाएगी?

यूएई से भारत के मधुर संबंध रहे हैं। दोनों के बीच व्यापारिक रिश्ते लगातार बढ़ते रहे हैं। इसी का नतीजा है कि आज दोनों देश पूर्ण मुक्त व्यापार समझौते को अंजाम तक पहुंचाने में कामयाब हुए हैं। इसमें दो राय नहीं है कि यह समझौता भविष्य में दोनों देशों के लिए लाभदायक साबित होगा। जहां तक फायदे का सवाल है तो भारत को अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है। समझौते से ज्वैलरी, टेक्सटाइल, लेदर, फुटवियर, स्पोर्ट्स गुड्स, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि उत्पाद, फार्मा, मेडिकल उपकरण, आटोमोबाइल्स व इंजीनियरिंग गुड्स के निर्यात में भारी वृद्धि होगी। निर्यात बढ़ने की बड़ी वजह इनका शून्य शुल्क होगा। ये रोजगारपरक क्षेत्र हैं। लिहाजा यह भारत के रोजगार क्षेत्र में वृद्धि के रूप में दिखायी पड़ेगा। वहीं इसके जरिए भारत, यूएई के बाजार के जरिए विदेशों तक अपनी पकड़ मजबूत कर सकेगा। भारतीय वस्तुओं के लिए अफ्रीका, खाड़ी देश व कुछ यूरोपीय देशों के बाजार भी भारत के लिए खुल जाएंगे। इसके अलावा भारत के आईटी और पर्यटन उद्योगों को भी काफी लाभ मिलेगा। दूसरी ओर यूएई को भी इस समझौते से कई लाभ होंगे। मसलन यूएई को कई वस्तुओं के निर्यात ड्यूटी में रियायत मिलेगी। इनमें पेट्रो केमिकल्स, मेटल जैसे सेक्टर प्रमुख हैं। सेवा से जुड़े कई सेक्टर में भी यूएई को रियायत दी गई है। वहीं भारत-यूएई समझौते का असर एशिया के अन्य देशों के राजनीतिक और कूटनीतिक संबंधों पर भी परोक्ष रूप से पड़ेगा। आने वाले दिनों में भारत यहां के अन्य देशों से भी इस तरह के संबंध स्थापित कर सकता है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। साथ ही रोजगार के नए क्षेत्र खुलेंगे।

सवाल यह है कि यूएई से हुए एफटीए का देश की अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ेगा? क्या यूएई के बाजार के जरिए भारत अन्य देशों तक अपनी पहुंच बनाने में सफल होगा? किन उत्पादों के निर्यात सबसे अधिक होंगे? क्या यह किसानों और अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए फायदे का सौदा साबित होगा? क्या रोजगारपरक सेक्टर इससे प्रभावित होंगे?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जल जीवन मिशन की अहमियत

सुधीर कुमार

जल जीवन मिशन (हर घर जल योजना) केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक रही है। इस परियोजना के जरिये मोदी सरकार ने 2024 तक ग्रामीण क्षेत्रों के सभी घरों में पेयजल हेतु नल कनेक्शन मुहैया कराने का लक्ष्य रखा है। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2019 को की थी। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, देश के नौ करोड़ ग्रामीण घरों तक घरेलू नल कनेक्शन पहुंच चुका है।

गोवा, तेलंगाना और हरियाणा तथा अंडमान निकोबार द्वीप समूह, पुदुचेरी और दादर एवं नगर हवेली-दमन एवं दीव क्रमश: तीन ऐसे राज्य और तीन केंद्र शासित प्रदेश हैं, जो अपनी संपूर्ण ग्रामीण आबादी तक यह सुविधा उपलब्ध करा चुके हैं। सर्वाधिक घरों तक नल कनेक्शन उपलब्ध कराने की सूची में बिहार 10वें स्थान पर है, जहां के 90 फीसदी ग्रामीण घर इस योजना के दायरे में आ चुके हैं। झारखंड में यह आंकड़ा केवल 12.74 फीसदी तथा पश्चिम बंगाल में 19.16 फीसदी है। सरकार के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। लिहाजा, वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में जल जीवन मिशन के लिए 60 हजार करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की गयी है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन, प्रति व्यक्ति को 55 लीटर स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाता है।

योजना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आज भी ग्रामीण भारत के एक बड़े हिस्से में पेयजल की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। आज भी लोग सामूहिक चापानलों, कुंओं या नदियों पर आश्रित हैं। इस योजना से सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे महिलाओं के समय की बचत और स्वास्थ्य की रक्षा भी होगी। आमतौर पर घर में पानी की व्यवस्था की जिम्मेदारी महिलाओं के कंधों पर होती है। रसोई से लेकर साफ-सफाई की सारे कार्य पानी के बिना संपन्न नहीं होते। कई इलाकों में पीने के पानी के लिए महिलाओं को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। ऐसी महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। गर्दन, रीढ़, हाथ और कंधों का दर्द कई बार बड़ी समस्या खड़ी कर देता है। अब पेयजल के लिए भटकने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि केंद्र सरकार ने हर घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का संकल्प लिया है। विडंबना है कि यह मूलभूत सुविधा भी गुणवत्तापूर्ण स्थिति में नागरिकों को नसीब नहीं हो रही है। ऐसे में सरकार की यह योजना बेहद खास प्रतीत होती है। इससे करोड़ों ग्रामीणों की बुनियादी

चिंता को खत्म किया जा सकेगा। पानी की कमी और स्वच्छ पेयजल की समस्या देश में वर्षभर व्याप्त रहती है। इससे निजात पाने के लिए सरकार कमर कस चुकी है। ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक घर में वर्ष भर पाइप द्वारा शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में सरकार पूरी ताकत से जुटी है। आमतौर पर यह सुविधा शहरवासियों के नसीब में ही होती है, लेकिन अब ग्रामीण भी इस सुविधा के हकदार होंगे।

स्वच्छ पेयजल के लिए उन्हें अब सोचने और खोज में भटकना नहीं पड़ेगा। यही वजह है कि सरकार एक केंद्रीकृत योजना के जरिये ग्रामीण भारत को पेयजल के मामले में आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दे रही है। इससे पहले,यूपीए सरकार ने 2009 में राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम की शुरुआत की थी, जो अपने मकसद में पूरी तरह सफल नहीं रही। जल जीवन मिशन के तहत न सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपलाइन के जरिये पानी पहुंचाया जा रहा है, अपितु भूजल स्तर के पुनर्भरण, जल के पुनर्उपयोग, वर्षा जल संचयन तथा स्थानीय बुनियादी ढांचा को सदृढ़ करने पर भी बल दिया जा रहा है। मिशन के तहत सीमित मात्रा में और उपभोक्ताओं तक सीधे जलापूर्ति की जा रही है, जिससे जल संरक्षण का संकल्प भी पूरा हो रहा है।

मिशन के तहत देशभर में पाइपलाइन का जाल बिछाया जा रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन भी हो रहा है। जाहिर है, योजना का लक्ष्य पूरा होने यानी 2024 तक बड़े पैमाने पर लोग इसमें कार्यरत रहेंगे। भारत में दुनिया के कुल स्वच्छ जल का केवल चार फीसदी हिस्सा ही उपलब्ध है। पेयजल के असमान वितरण तथा गुणवत्ता में अंतर की वजह से एक बड़ी आबादी को पेयजल जनित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहीं, बढ़ती जनसंख्या और औद्योगीकरण में आयी तेजी से जल संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। जल जीवन मिशन से नागरिकों के जीवन में आत्मनिर्भरता आयेगी।

देश में वर्षभर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना निश्चय ही एक कठिन कार्य है। केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प और दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि हर घर जल उपलब्ध कराने का कार्य प्रगति पर है। सबको सुलभता से पेयजल उपलब्ध कराना एक सराहनीय पहल है, लेकिन जल की बर्बादी को रोकने के लिए भी हमें ठोस नीति बनानी होगी।

मुश्किलों के भंवर में उलझते इमरान

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान की राजनीति में इमरान खान का प्रवेश और उद्भव पूर्ववर्ती दिग्गजों, मोहम्मद अली जिन्नाह, जुल्फिकार अली भुट्टो, बेनज़ीर भुट्टो और नवाज शरीफ की बनिस्बत अलग किस्म का है। राजनीति में उनकी आमद और उभार किसी पार्टी के जरिए न होकर आईएसआई के पूर्व मुखिया ले. जनरल हमीद गुल की भूमिका से ज्यादा है। खुद को उदारवादी दिखाने के प्रयासों के बावजूद, कैम्ब्रिज से पढ़-लिखकर लौटे और क्रिकेटर रहे इमरान खान का हमीद गुल के साथ निकट संबंध था, जो तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापकों सदस्यों में एक थे। कोई हैरानी नहीं कि इस्लामिक विचारधारा से ओत-प्रोत इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ की स्थापना पाकिस्तानी सेना की मदद से हुई है। हमीद गुल के मार्गदर्शन में इमरान का रुख कट्टर इस्लामिक बना, जो भारत के खिलाफ उनके नफरती बोलों में झलकता है, हालांकि अपने पश्चिमी मित्रों के समक्ष वह उदारवादी छवि प्रस्तुत करते हैं।

इमरान की एक कुख्यात विशेषता यह भी है कि तुर्की और मलेशिया से संबंध बढ़ाने की एवज में पाकिस्तान के रिश्ते घनिष्ठ मित्र राष्ट्र यूएई और सऊदी अरब से खराब करवा डाले जबकि इस दौरान भारत के संबंध सऊदी अरब और यूएई समेत खाड़ी मुल्कों से प्रगाढ़ होते गए। पाकिस्तान का इतिहास अपने आय स्रोत से ज्यादा खर्च करने का रहा है, जिससे इतना भारी कर्ज चढ़ गया है कि चुकाना मुश्किल हो गया है। अब इमरान के पास विकल्प कम हैं- या तो अपने खर्चे घटाएं या अतंरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे ऋणदाताओं की अधिक कड़ी शर्तें स्वीकार करें। पाकिस्तानी सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले तीन सालों में मुल्क पर चढ़ा कर्ज दुगुना होकर 85 बिलियन डॉलर हो गया है, जो बाहरी ऋण का नया रिकॉर्ड है। पड़ोसी श्रीलंका अब दूरंदेशी से काम लेते हुए पिछली गलतियां दोहराने से बच रहा है, जब उसे उधार चुकता न कर पाने की एवज में हम्बनतोता बंदरगाह चीन को सौंपना पड़ा था। लेकिन पाकिस्तान अपने 'सदाबहार दोस्त' चीन से प्राप्त कर्ज की दलदल में और गहरे धंसता प्रतीत हो रहा है, जिससे वह शायद ही कभी निकल पाए। पाकिस्तान ने बहुचर्चित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना हेतु बिना आगा-पीछा सोचे बहुत भारी ऋण चीन से उठाया है। चीन का एक उद्देश्य इस राजमार्ग के जरिए अफगानिस्तान के विशाल प्राकृतिक स्रोत अपने यहां पहुंचाना है। उधर चीन ने ग्वादर बंदरगाह कॉरिडोर का सारा नियंत्रण एक तरह से अपने हाथ में कर लिया है। चीनी मछलीमार नौकाएं अरब सागर के मत्स्य भंडार का दोहन करने को ग्वादर बंदरगाह पर धड़ल्ले से आ-जा रही हैं। राष्ट्रपति बाइडेन ने पदभार संभालने के बाद एक बार भी इमरान खान से बात नहीं की है। अमेरिका अफगानिस्तान में हुई अपनी बेइज्जती भूलेगा नहीं, जिसके पीछे वह पाकिस्तान को एक वजह मानता है। एक के बाद एक आए पाकिस्तानी प्रधानमंत्रियों ने माना है कि बेशक वे देश की विदेश और सुरक्षा नीति नए सांचे में ढालना चाहते थे, लेकिन इसके लिए सैन्य नेतृत्व से सीधी टक्कर लेना किसी भी राजनेता के लिए खतरनाक होता, विशेषकर राष्ट्रीय सुरक्षा और पड़ोसी भारत एवं अफगानिस्तान से रिश्तों को लेकर। पर इमरान खान ने वह राह चुनी है जो सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा को नागवार गुजरी है। यहां इमरान भूल रहे हैं कि जो मनमर्जियां वह लागू करवाना चाहते हैं और जिन्हें बाजवा का समर्थन न हो, ऐसा करके सेनाध्यक्ष की ताकत को कमकर आंकना मूर्खता और खतरनाक सिद्ध हो सकता है। सेनाध्यक्ष बाजवा और इमरान खान के बीच तनाव आईएसआई के पूर्व निदेशक और दिखावे के शौकीन एवं महत्वाकांक्षी ले. जनरल फैज हमीद के प्रति अधिक प्रेम दिखाने से बना है। बतौर आईएसआई मुखिया जनरल फैज़ ने वैश्विक मीडिया के ध्यान का केंद्र बनने के लालच में गंभीर चूक कर दी, जब अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज भाग रही थी। वे अतंर्राष्ट्रीय मीडिया पर छाए, जब उन्होंने वरिष्ठ तालिबान नेताओं जैसे कि मुल्ला अब्दुल गनी बरादर को ऊंचे पद से महरूम करवाया, जिन्हें जान बचाकर काबुल से कंधार भागना पड़ा था। बेशक बाद में उनकी वापसी अपेक्षाकृत निचले ओहदे पर हुई। यह सारा खेल आईएसआई के खासमखास और तालिबान के ताकतवर गुट हक्कानी नेटवर्क की मदद से उन्होंने खेला था, जो पाकिस्तान और अफगान भूमि, दोनों जगह से अपनी गतिविधियां चलाता आया है। क्षुब्ध हुए सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा ने फौरी प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई में तत्कालीन आईएसआई मुखिया जनरल फैज का स्थानांतरण बतौर कमांडर पाक-अफगान सीमांत कोर में कर दिया, जिसका मुख्य काम ड्यूरंड सीमारेखा के आरपार सक्रिय तालिबान और अन्य पृथकतावादी गुटों जैसे कि राष्ट्रवादी पश्तूनों वाली तहरीक-ए-तालिबान (पाकिस्तान) से पैदा चुनौतियों से निपटना है। अब देखने में आ रहा है कि न तो अफगान तालिबान और न ही तहरीक-ए-तालिबान को अंतरराष्ट्रीय सीमारेखा ड्यूरंड लाइन का जरा-सा सम्मान है। इमरान खान के सामने बलूचों का रोष भी मुंह बाए खड़ा है, जो अपने समुद्री इलाके में चीनी नौकाओं की मछलीमार सेंध और ग्वादर पर पाक-चीनी नियंत्रण से अपने मूल अधिकार छिनने पर खफा हैं। आगामी 18 महीनों में हमें पाकिस्तान के अंदर महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेंगे। जनरल बाजवा की सेवानिवृत्ति सितंबर माह में होनी है। इस बीच विपक्षी दल इमरान खान की सरकार गिराने को शह देने में लगे हैं।

शक्कर ही नहीं, इन चीजों को भी मिलाकर बनायें मीठी चाय

इन दिनों हर कोई सेहत के लिए काफी ज्यादा पोजेसिव हो गया है। कोरोना काल में हर किसी को ये बात समझ में आ गई है कि सेहत सबसे ज्यादा जरूरी है। ऐसे में रोजाना इस्तेमाल होने वाली शक्कर सेहत के लिए नुकसानदायक होती है। कई लोगों के लिए फीकी चाय पीना मुश्किल भरा होता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी चीजों के बारे में जिसे आप शक्कर से रिप्लेस कर सकते हैं। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी चीजों के बारे में जो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकती हैं और चाय में नेचुरल स्वीटनर का काम करता है। हालांकि इसका मतलब ये नहीं है कि आप इसको फॉलो कर ज्यादा चाय पीएं।

चाय में मिलाएं गुड़

अगर आप वेटलॉस करना चाहती हैं और चाय को नहीं छोड़ सकती तो आप गुड़ वाली चाय पीएं। गुड़ की मीठास चाय का स्वाद बदल जाता है और रंग भी। इसी के साथ गुड़ में काफी ज्यादा एंटीऑक्सिडेंट्स भी होते हैं और साथ ही साथ ये केमिकल्स से दूर रहता है।

सौंफ की चाय

चाय में आप सौंफ मिला सकते हैं। सौफ सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। अगर आपको चाय पीने के बाद गैस हो जाती है तो आप चाय में सौंफ मिला सकते हैं।

शहद

शहद सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। आप अपनी चाय में शहद मिला सकते हैं ये नेचुरल स्वीटनर का काम करता है। शक्कर की तुलना में शहद बहुत ज्यादा अच्छा साबित होता है।

मुलेठी

आयुर्वेदिक औषधियों में मुलेठी का इस्तेमाल किया जाता है। गले में दर्द से भी मुलेठी आपको आराम दिला सकती है। इसे बानने के लिए चाय में लौंग और दालचीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये हर्बल चाय का काम करेगी।

हंसना मना है

मैनेजर- क्या कोई बता सकता है कि ऑनलाइन खाना बेचने वाली कंपनियां कैसे सफल हुईं? पप्पू- इसका क्रेडिट लाखों युवतियों द्वारा बनाए गए घिया, टिंडा, लौकी और तोरई को जाता है।

पति- क्या तुम जानती हो कि संगीत में इतनी शक्ति होती है कि पानी गरम हो सकता है। पत्नी- हां जरूर, क्यों नहीं... जब तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो पानी क्यों नहीं।

पप्पू- पापा हमारे नए पड़ोसी बहुत गरीब हैं। पापा- तुम्हें कैसे पता? पप्पू- उनके बेटे ने एक रुपये का सिक्का निगल लिया है, उसकी मां का रो-रो कर बुरा हाल है!

पत्नी-आप बहुत मोटे हो गए हो। पति-तुम भी तो कितनी मोटी हो गई हो। पत्नी-पर मैं तो मां बनने वाली हूं। पति- तो मैं भी तो बाप बनने वाला हूं।

एक आदमी ने कंडक्टर से पूछा- आप कितने घंटे बस में रहते हो? कंडक्टर- जी 24 घंटे. आदमी- वो कैसे? कंडक्टर- देखिए, 8 घंटे तो सिटी बस में रहता हूं और बाकी के 16 घंटे बीवी के बस में रहता हूं

एक बेवकूफ पति अपनी पत्नी से कहता है कि कभी-कभी चुप भी रहा करो। मगर एक बुद्धिमान पति कहता है कि तुम्हारे लब जब खामोश रहते हैं, तो चेहरा बेहद हसीन लगता है।

कहानी — नारियल का जन्म

पुराने समय में कार-निकोबार के एल्कामेरो में दो मित्र रहते थे। एक का नाम असोंगी और दूसरे का एनालो था। दोनों एक दूसरे को बहुत प्यार करते थे। वे साथ-साथ काम करते, जो कुछ वे कमाते उससे साथ-साथ खाते और दु:ख-सुख में साथ रहते। दोनों पूरे दिन काम में लगे रहते थे। कार-निकोबार में एक बार सूखा पड़ा। हालांकि निकोबार चारों ओर समुद्र से घिरा था लेकिन पूरे साल पानी की एक बूंद भी नहीं बरसी थी। सारे कुएं सूख गए थे। मनुष्य, जानवर, पक्षी बिना पानी के मर रहे थे। असोंगी एक अच्छा जादूगर था। उसके गांव वाले ही नहीं दूर-दूर से दूसरे लोग भी उसका जादू देखने को आते थे। एक दिन दोनों दोस्त घास काटने को गए। असोंगी को अपनी छुरी तेज करनी थी, लेकिन आसपास कहीं पानी नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में असोंगी जंगल में घुस गया और जादू के बल पर जमीन से पानी निकाल लिया। उसे लेकर वह अपने मित्र एनालो के पास आया। एनालो को बड़ा आश्चर्य हुआ। यह पानी तुम कहां से ले आए? उसने असोंगी से पूछा। जंगल के भीतर से। असोंगी ने संक्षिप्त-सा उत्तर दिया। देखो, मैं तुम्हारा सबसे गहरा दोस्त हूं। एनालो लालचपूर्वक बोला, मुझे भी यह जादू सिखाओ न! एनालो, मेरे दोस्त, मुझे तुम्हारी दोस्ती पर कोई शक नहीं। असोंगी ने सपाट आवाज में बोलना शुरू किया, लेकिन, मेरे गुरुजी का कहना था कि हर विद्या हर आदमी को नहीं सिखाई जा सकती। इसलिए...। अच्छा! तो मैं जादू सीखने के योग्य नहीं हूं? उसकी बात सुनकर एनालो क्रोधपूर्वक चीखा। इस नाराजगी में उसने अपने मित्र का सिर धड़ से उड़ा दिया। असोंगी के धड़ को उसने वहीं दफन कर दिया और सिर को लेकर घर आ गया। घर पर उसने असोंगी के सिर को एक खम्भे पर लटका दिया। रात में वह सिर एनालो से बहुत-सी बातें किया करता था। इससे डरकर एनालो गाँव छोड़कर भाग गया। वह दूसरे गाँव में जा पहुंचा। वहां उसने शादी की और आराम से रहने लगा। कुछ समय बाद उसके घर एक पुत्री का जन्म हुआ। वह एक खूबसूरत लड़की थी। सभी उसे प्यार करते थे। एक बार अचानक लड़की बीमार पड़ गई। एनालो ने उसका बहुत इलाज कराया लेकिन किसी भी दवा से उसे आराम नहीं हुआ। दु:खी और थका-हारा एनालो एक रात जल्दी सो गया। गहरी नींद में उसने एक स्वप्न देखा। सपने में उसके दोस्त असोंगी के कटे हुए सिर ने उससे यह कहा इस सिर को जमीन में दबा दो। उससे एक पेड़ उगेगा। जब उस पर फल आ जाएं तब उस फल को तोड़ना। उस फल को काटने पर उसके भीतर पानी निकलेगा। वह पानी अपनी बेटी की पिलाओ। वह ठीक हो जाएगी। एनालो की नींद टूट गई। वह अंधेरे ही उठ बैठा और दौड़ता हुआ अपने पुराने गांव में पहुंचा। घर में खम्भे पर लटके असोंगी के सिर को उसने उसके बताए अनुसार जमीन में दबा दिया। कुछ समय बाद उस सिर से एक पेड़ पैदा हुआ। उस पर फल लगे। एनालो ने फलों को बीच से काटा और पानी निकालकर बेटी को पिलाया। कुछ ही दिनों में लड़की बिल्कुल चंगी हो गई। एनालो उसे स्वस्थ देखकर बहुत खुश हुआ। उसे दु:ख हुआ कि उसने असोंगी जैसे भला चाहने वाले मित्र के साथ घात किया। निकोबार के लोग आज भी नारियल को असोंगी के सिर से पैदा हुआ फल मानते हैं।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज लव लाइफ से जुडा कोई बड़ा फैसला ना लें। पार्टनर से बहस करने से बचें। सिंगल लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है। आज लव लाइफ सामान्य रहेगी।

वृषभ अपने पार्टनर की बात पर ध्यान दें। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है। आज अपने साथी से बेवजह बहस करने से बचें। प्रेमी के मन का ख्याल रखें।

मिथुन पति-पत्नी के बीच तनाव हो सकता है। आपको कई अच्छे प्रपोजल मिल सकते हैं। इसलिए उनके चुनाव में आपको दिक्कत आ सकती है। आज आप आकर्षण का केन्द्र बने रहेंगे।

कर्क आज अपने ऑफिस की समस्याएं वहीं छोड़कर आएं जिससे आप पार्टनर पर अपना ध्यान केन्द्रित कर पाएंगे। प्रेम संबंधों का बनाए रखने के लिए कुछ बातें इग्नोर करनी पड़ेगी।

सिंह पार्टनर के साथ वाद-विवाद हो सकता है। लव लाइफ में खुशी और तालमेल रहेगा। जो किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उनके लिए आज का दिन अनुकूल है।

कन्या आज रिलेशनशिप को आगे बढ़ा सकेंगे। पार्टनर से आपको खूब प्यार मिलेगा। सिंगल लोगों के लिए आज का दिन अच्छा होगा। पार्टनर की सेहत की चिंता रहेगी।

तुला पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ेगा। अविवाहित लोगों को शादी के लिए प्रपोजल मिल सकता है। आज के दिन आपका साथी परेशान रहेगा। आज के आपको दिन भरपूर रोमांस मिलेगा।

वृश्चिक सहयोगी से आकर्षण बढ़ेगा। पति-पत्नी के लिए आज का दिन अच्छा होगा। कुछ लोग प्यार को शादी में बदलने का मन बना सकते हैं। आज की शाम पार्टनर के साथ बाहर बिताएं।

धनु आज कोई छोटी बात आपको ज्यादा परेशान कर सकती है। आपकी बातों का गलत मतलब निकाला जा सकता है। पति-पत्नी के बीच अनबन हो सकती है। सोच समझकर ही कुछ बोलें।

मकर पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है लेकिन बाद में माहौल ठीक हो जाएगा। आज का दिन लव लाइफ के लिए नार्मल रहेगा। आज पार्टनर से रोमांस नहीं मिलेगा।

कुम्भ आज आपकी मनोकामना पूरी हो सकती है। आज आप किसी को प्रपोज करने की सोच रहे हैं तो आज का दिन उत्तम है। आज के दिन लव लाइफ में रुकावटे दूर होंगी।

मीन सिंगल लोगों के लिए आज का दिन अच्छा होगा। पार्टनर की सेहत की चिंता रहेगी। आज के आपको दिन भरपूर रोमांस मिलेगा। अपने से ज्यादा उम्र वाले किसी इंसान की और आप आकर्षित भी हो सकते हैं।

बालीवुड | मन की बात

पापा की वजह से नहीं बुलाती घर पर लोगों को :अनन्या

अनन्या पांडे की फिल्म गहराइयां हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। फिल्म में अनन्या की एक्टिंग को काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म में अनन्या के साथ दीपिका पादुकोण, सिद्धांत चतुर्वेदी और धैर्य कारवा लीड रोल में नजर आए हैं। अनन्या पांडे अपने घर पर गेस्ट को नहीं बुलाती हैं। उन्होंने अपने घर गेस्ट को ना बुलाने का कारण अपने पिता चंकी पांडे को बताया है। गहराइयां के प्रमोशन के दौरान अनन्या के को-स्टार ने बताया कि उन्होंने कई बार खुद को अनन्या के यहां इनवाइट करने की कोशिश की है मगर वह मना कर देती हैं। अब इसके पीछे की वजह अनन्या ने बता दी है। सायरस ब्रोचा के साथ इंटरव्यू में अनन्या के को-स्टार्स ने अपना खाना शेयर ना करने पर उनकी टांग खिंचाई की। दीपिका ने मजाक में कहा कि एक बार उन्होंने खुद को अनन्या के घर इनवाइट करने की कोशिश की थी लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। जब सायरस ने अनन्या से पूछा कि वह अपने घर किसी को क्यों नहीं बुलाना चाहती हैं। इस पर अनन्या ने कहा कि इसका कनेक्शन उनके पिता चंकी पांडे से है। अनन्या ने कहा कि क्योंकि उनके पिता हमेशा टॉवल में घूमते रहते हैं। अगर आपको फिर भी मेरे घर आना है तो आ सकते हो। इस पर शकुन ने कहा कि मैंने अपने दिमाग में अभी से कई मीम इमेजिन कर लिए हैं। एमेजॉन प्राइम पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। आज के समय के उलझे हुए रिश्तों पर ये फिल्म बनी है। इसे शकुन बत्रा ने डायरेक्ट किया है। इसे धर्मा प्रोडक्शन, वायकॉम 18 और शकुन बत्रा के प्रोडक्शन हाउस ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

रश्मिका मंदाना ने तोड़े लाखों दिल!

शादी पर चुप्पी तोड़ते हुए एक्ट्रेस ने कहा मैं अभी शादी के लिए बहुत छोटी हूं

टॉलीवुड की पॉपुलर हसीना और नेशनल क्रश रहीं रश्मिका मंदाना लाखों दिलों पर राज करती हैं। एक्ट्रेस को अक्सर अपनी फिल्मों, पोस्ट्स और एक्टिविटीज से फैंस का दिल जीतते देखा जाता है। हालांकि अब रश्मिका को लेकर जो खबर सामने आई है, उससे लाखों दिल टूट सकते हैं। बीते काफी समय से एक्ट्रेस की शादी की चर्चाएं जोरों पर हैं। जिस पर चुप्पी तोड़ते हुए खुद एक्ट्रेस ने बड़ा बयान दे दिया है। फिल्म पुष्पा की श्रीवल्ली यानी रश्मिका मंदाना ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई खुलासे किए हैं। वहीं शादी पर चुप्पी तोड़ते हुए एक्ट्रेस ने कहा है मैं अभी शादी के लिए बहुत छोटी हूं। फिलहाल मैंने अब तक इस टॉपिक पर कुछ सोचा नहीं है, और ना ही मुझे पता है कि इस बारे में क्या सोचना है। लेकिन एक बात मैं साफ करना चाहती हूं कि मुझे ऐसा शख्स चाहिए जो मुझे कंफर्टेबल फील करवाए। रश्मिका मंदाना ने प्यार पर बात करते हुए कहा, प्यार एक फीलिंग है। इसमें एक शख्स दूसरे को इज्जत और समय देता है, साथ ही सिक्योर भी फील कराता है। प्यार के बारे में ज्यादा कुछ कह पाना मुश्किल है। क्योंकि ये एक अहसास है, अगर फीलिंग नहीं है तो दाल नहीं गलती।

फिल्म पुष्पा के ब्लॉक बस्टर हिट के बाद रश्मिका के पास साउथ के साथ-साथ नॉर्थ में भी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इस बीच रश्मिका अपने अफेयर और शादी को लेकर भी सुर्खियों में हैं। अर्जुन रेड्डी फेम विजय देवरकोंडा के साथ काफी समय से उनकी डेटिंग की खबरें आ रही हैं। मगर रश्मिका ने हमेशा उन्हें अपना सबसे अच्छा दोस्त ही बताया है।

जासूस और आतंकवादी की लव स्टोरी बताने आ रही हैं करीना

करीना एक बेहद दिलचस्प लव स्टोरी लेकर आने वाला है। इस शो का नाम स्पाई बहू है, जिसकी कहानी काफी अलग और हटकर है। इस शो में खास बात एक और है कि इसकी नैरेटर करीना कपूर खान है। इसकी शूटिंग एक्ट्रेस ने शुरू कर दी है। नये प्रोमो में एक्ट्रेस स्पाई बहू के लीड कैरेक्टर सेजल (सना सैय्यद) और योहान (सेहबान अजीम) के बारे में बताती दिखेंगी। करीना कपूर खान पहली बार है कि किसी डेली सोप का हिस्सा बनेगी। स्पाई बहू की कहानी की बात करें तो सेजल जो एक जासूस होती है उसे एक संदिग्ध आतंकवादी योहान से मोहब्बत हो जाता है. जिसके बाद कहानी में नया टर्न आता है और कहानी आगे बढ़ती है। हालांकि सेजल, योहान की सच्चाई से अनजान है। स्पाई बहू में अयूब खान, शोभा खोटे, भावना बलसावर भी अहम किरदार प्ले करते दिखेंगे।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अनोखा गांव

यहां घरों में नहीं लगाए जाते ताले कभी नहीं होता लोगों में झगड़ा

यह बात आपको कुछ अचरज में डाल सकती है कि बुंदेलखंड के टीकमगढ़ जिले में नंदनपुर (गोर) एक ऐसा गांव है, जहां न तो पुलिस की जरूरत है और न ही यहां चोरों का खौफ है। यही कारण है कि इस गांव के लोग बाहर जाने पर भी घरों में ताले लगाना जरूरी नहीं समझते। टीकमगढ़ जिले के मोहनगढ़ थाने के अंतर्गत आता है नंदनपुर (गोर)। यादव बाहुल्य इस गांव में लगभग 50 घर हैं और आबादी लगभग 300 है। यहां के हर घर में बोरवेल है। लोगों ने रिचार्ज तकनीक को अपना रखा है जिससे जल संकट नहीं है।

फसलों की पैदावार ठीक है और आपसी सामंजस्य भी है। यहां पर शराबबंदी और मांस बंदी पूरी तरह है। इस गांव को कई वर्षो से किसी भी तरह की पुलिस सहायता की जरूरत नहीं पड़ी. गांवों के लोगों का कहना है कि पूर्वजों से सुना और उन्होंने स्वयं खुद देखा है कि उनके गांव में कभी झगड़ा नहीं हुआ अगर छोटा-मोटा झगड़ा हो भी जाता है तो उसे गांव के लोग आपस में निपटा लेते हैं और गांव में कोई भी शराब नहीं पीता है, इतना ही नहीं यहां मुर्गी-मुर्गा पालने से लेकर अंडा तक का उपयोग नहीं होता है। लोगों का कहना है कि समस्या की सबसे बड़ी जड़ शराब है। पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा के कारण ही वर्तमान दौर में भी कोई शराब नहीं पीता। मांस का सेवन भी नहीं करता। सभी का जोर खेती पर है।

बुंदेलखंड सूखा ग्रस्त है, मगर यहां पानी की ज्यादा तंगी नहीं है, फसलों की खेती भी आसानी से हो रही है क्योंकि गांव के लोगों ने रिचार्ज करने की तकनीक को अपनाया है। इसके साथ ही गांव वाले कहते हैं कि उनके गांव में शराब, मांस आदि का उपयोग न होने के कारण शांति का माहौल रहता है। महिलाओं को किसी बात की दिक्कत नहीं होती। यहां न तो छेड़छाड़ की घटनाएं होती हैं और न ही मारपीट की। आसपास के गांव में भले ऐसा होता रहे मगर उन्होंने अपने जीवन में ऐसा नहीं देखा। यह गांव ऐसा है जहां पुलिस बुलाने की जरूरत नहीं होती है. लोग जब घर से बाहर जाते हैं तो ताला तक लगाना जरूरी नहीं समझते। क्योंकि यहां कोई बदमाश प्रवृत्ति का है ही नहीं इसलिए चोरी का कोई डर नहीं। इस गांव में आपसी भाईचारा है। खेती में आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जाता है। यहां परमार्थ समाजसेवी संस्थान के विषेषज्ञ जैविक खेती के लिए प्रशिक्षित करते हैं और किसान उसी के आधार पर खेती करते हैं जिससे गांव में खुशहाली आए। बुंदेलखंड की पहचान कभी डकैत प्रभावित इलाके के तौर पर रही है।

पहली बार मिला आधा नर और आधा मादा जीव

धरती पर कई अजीबोगरीब जीव पाए जाते हैं जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। समय-समय पर कई रहस्यमयी जीवों की खोज होती रहती है। अब इस बीच एक अनोखा कीड़ा मिला है। दुनिया में पहली बार इस तरह का कीड़ा पाया गया है। इस कीड़े ने जब अपनी चमड़ी छोड़ी तो इसकी मालकिन के होश उड़ गए। दरअसल मालकिन ने चमड़ी छोड़ने के बाद कीड़े को देखा तो वह आधा नर और आधा मादा है। ब्रिटेन के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम का कहना है कि इस तरह का यह पहला नर और मादा कीड़ा है जो चमकदार हरे रंग का जीव है। इस कीड़े की मालकिन का नाम लौरेन गारफील्ड है जिसने चार्ली नाम के इस कीड़े को लंदन म्यूजियम को दे दिया है। अब इस कीड़े पर वैज्ञानिक रिसर्च करेंगे। कीड़े में भूरे रंग का पंख नर का है जबकि हरे रंग का शरीर मादा का है। यह कीड़ा देखने में बहुत आकर्षक जीव है। लौरेन ने बताया कि वह बहुत ज्यादा दुखी हैं, क्योंकि भविष्य में इस कीड़े को मार दिया जाएगा। इस कीड़े को ज्यादा शोध करने के लिए मारना पड़ेगा। उन्होंने बताया है कि अगर यह कीड़ा प्राकृतिक रूप से मरेगा, तो यह सूख जाएगा और इसका रंग भी समाप्त हो जाएगा। लौरेन ने बताया कि वह अन्य कीड़ों की तरह चार्ली को भी अपने घर में रखती हैं। दुनिया में अपनी तरह के पहले कीड़े चार्ली की चमड़ी जब अलग हुई, तो लोगों का ध्यान इसकी तरफ गया। इसके बाद चार्ली की मालकिन लौरेन गारफील्ड ने फेसबुक पर पोस्ट लिखकर इस कीड़े के बारे में जानकारी दी जिसके बाद यह पोस्ट पर वायरल हो गई। इस कीड़े को Diapherodes gigantea कहा जाता है। लौरेन ने बताया कि वह कीड़ों को कई साल से पाल रही हैं। उन्होंने बताया कि दुर्घटनावश आधा मादा और आधा नर कीड़े को पाला है। लौरेन गारफील्ड का कहना है कि 3.5 इंच से 5 इंच तक नर कीड़े का आकार होता है जबकि 5.5 इंच से 7 इंच तक मादा कीड़े का आकार होता है। उनका कहना है मेरा बेटा इस खोज से बेहद खुश है। उन्होंने बताया कि मेरा बेटा इस कीड़े को अपने दोस्तों को दिखाने के लिए स्कूल भी ले गया था।

परिवारवादी बिजली नहीं जनता को देंगे करंट का झटका : मोदी

» समाज में घोल रहे जातिवाद का जहर, वापस लिए थे आतंकियों के मुकदमे

» हरदोई में सपा पर बरसे पीएम, भाजपा का लक्ष्य विकास और गरीब कल्याण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को हरदोई में सपा समेत विपक्ष पर जमकर हमला बोला। आतंकवाद के मुद्दे पर सपा को घेरते हुए उन्होंने कहा कि एक समय था कि देश में बड़े धमाके होते थे। अहमदाबाद में बम धमाकों में मारे लोगों के रक्त से लाल मिट्टी को उठाकर ही मैंने संकल्प लिया था कि मेरी सरकार उन आतंकियों को पाताल से खोज कर सजा देगी। यूपी में काशी के संकट मोचन मंदिर पर धमाका हुआ, तब सपा की सरकार थी। 2013 में दोबारा सपा सरकार आई तो आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेकर उन्हें रिटर्न गिफ्ट दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हरदोई के लोगों ने दो होली खेलने की तैयारी कर ली है। पहली होली भाजपा की जीत की होली होगी, जिसकी तैयारी एक-एक बूथ पर करनी होगी। उन्होंने कहा कि याद कीजिए पांच साल पहले माफिया वादियों ने यूपी का क्या हाल बना दिया था, व्यापारियों को व्यापार करने में डर लगता था। 2014 से लेकर 2017 के बीच यूपी में इन परिवारवादियों ने एक भी काम में मेरा साथ नहीं दिया।

इन लोगों ने ठान लिया था कि विकास का कोई काम नहीं करने देंगे। 2017 में आपने यहां डबल इंजन की सरकार बनाई। योगी सरकार के विकास कार्यों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि यह घोर परिवारवादी आपको बिजली नहीं बिजली का झटका देने को तैयार हैं, जिनके काले कारमाने अंधेरे में चलते थे वे अंधेरे का झटका देने को तैयार हैं। घोर परिवारवादी समाज में जातिवाद का जहर घोल रहे हैं, लेकिन कुर्सी के लिए वह अपनों से लड़ गए। जो कुर्सी के लिए अपनों से लड़ सकता है तो वह भला समाज का भला क्या करेगा। मेरी बात याद रखना कि हम सबने मां भारती का नमक खाया है, हिदुस्तान का नमक खाया है। हम सभी का परिश्रम मां भारती के लिए होना चाहिए, देश के लिए होना चाहिए। हम सभी का लक्ष्य गरीब की चिंता और कल्याण होना चाहिए। समाजवादी पार्टी पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी में 2006 में काशी में धमाका हुआ संकट मोचन मंदिर में भी धमाका हुआ। तब सपा की सरकार यूपी में थी 2013 में सपा की सरकार सत्ता में आई तब शमीम अहमद आरोपी पर मुकदमे को वापस लिया था। ऐसे ही गोरखपुर में आतंकी हमला हुआ 2013 में सपा ने तारीक नाम के आरोपी पर केस वापस लिया था। अहमदाबाद बम धमाकों की सच्चाई देश के सामने लाने का कार्य मीडिया करे।

कोरोना से बड़ी राहत, मरीजों की संख्या में आयी कमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में आज कोरोना महामारी से बड़ी राहत की खबर सामने आई है। नए मामले कम आने के साथ मृतकों की संख्या में भी भारी कमी आई है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 16,051 मामले सामने आए हैं। इस दौरान 206 लोगों की मौत हुई जो कल की तुलना में 400 कम है। रविवार को 24 घंटों में कोरोना से 673 लोगों की मौत हो गई थी।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार देश में अब 2.02 लाख सक्रिय मामले हैं। महामारी की शुरुआत से अब तक स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या 4.21 करोड़ हो गई है। रोजाना संक्रमण दर 1.93 फीसदी हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देशभर में अब तक कोरोना वैक्सीन की 1,75,46,25,710 से अधिक डोज दी जा चुकी हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के मुताबिक भारत में कल कोरोना वायरस के लिए 8,31,087 सैंपल टेस्ट किए गए। वहीं देश में महामारी के शुरुआत से लेकर अब तक कुल 76,01,46,333 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

भाजपा के खिलाफ विरोध की लहर : राजेंद्र चौधरी

» प्रशासन की मदद से मतदान में की जा रही धांधली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने दावा किया है कि तीसरे चरण के मतदान के बाद 16 जिलों की 59 सीटों के लिए मतदान में 50 सीटों पर जनता का प्रबल समर्थन सपा गठबंधन को मिला है। उन्होंने कहा कि भाजपा के खिलाफ जनता में जबरदस्त विरोध की लहर दिखाई दे रही है। भाजपा गाली-गलौज के स्तर पर उतर आयी है। भाजपा नेताओं द्वारा खासकर सपा के विरुद्ध जैसी अभद्र बातें की जा रही हैं उससे जनसामान्य में बहुत नाराजगी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा भी मतदान के रुझान से समझ रही है कि उसके दिन बीत गए हैं। 10 मार्च को जो परिणाम आना है उसमें भाजपा का सफाया होना तय है। हार के डर से भाजपा नेतृत्व अब दबंगों और स्वामिभक्त प्रशासनिक अधिकारियों की मदद से मतदान में धांधली करने में लग गया

है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं की हरकतें बताती हैं कि वे अपनी हार की आशंका से परेशान हैं। धांधली व गुंडागर्दी से चुनावों को प्रभावित करने के इन कुत्सित प्रयासों से जनता में भाजपा के प्रति व्यापक रोष है। अब जनता ने तय कर लिया है कि वह भाजपा को हराएगी और सपा को विजयी बनाएगी।

बता दें कि पहले और दूसरे चरण के चुनाव के बाद सपा ने दावा किया है कि वह भाजपा से बहुत आगे है।

ग्रेटर नोएडा : गैलेक्सी वेगा सोसायटी में आग से हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गैलेक्सी वेगा सोसायटी के एक बंद फ्लैट में अचानक आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि ऊपरी मंजिल पर बने दूसरे फ्लैट को भी अपने आगोश में ले लिया, जिसमें परिवार के लोग रहते हैं। आग लगने से सोसायटी में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

सोसायटी निवासी अमित पांडेय ने बताया कि सोसायटी के डी टावर में 1702 फ्लैट लंबे समय से बंद पड़ा है। जिसमें अचानक आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि ऊपरी टावर 1802 को भी आग की लपटों ने अपनी चपेट में ले लिया। 1802 में रूपक अपने परिवार के साथ रहते हैं। हालांकि रूपक का परिवार भी बाहर गया हुआ है। रविवार को रूपक घर में अकेले थे। आग लगने के बाद सोसायटी के लोगों में हड़कंप मच गया।

नौजवानों को नौकरी की जगह मिली लाठियां : सतीश चंद्र

» बसपा के राष्ट्रीय महासचिव ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्र ने उन्नाव में दलित युवती की हत्या को लेकर सपा और भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा नेता के बेटे ने दलित युवती की हत्या कर शव गायब कर दिया और भाजपा शासन की पुलिस दो माह तक न्याय न दे उसे दौड़ाती रही।

उन्होंने कहा कि सपा और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सपा शासन में दंगा, लूट, डकैती और फिरौती की बाढ़ आ गई थी तो भाजपा दहशत फैलाने का काम कर रही है। दोनों पार्टियां आपस में मिलकर वोट के लिए कुछ भी कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि सपा और भाजपा के पिछले 10 वर्ष के शासन में सभी का जीना हराम हो गया था। भाजपा बड़ी सफाई से झूठ बोल लोगों को गुमराह करके वोट ले लेती है और उसके बाद जनता को किनारे कर देती है।

उन्होंने मुख्यमंत्री का बिना नाम लिए कहा कि भाजपा की सरकार चलाने वाले कहते हैं कि हम ठोक देते हैं। नौजवानों को नौकरी की जगह लाठियां दी, जिन विभागों में नौकरी मिलती थी वहा ठेका प्रथा लागू कर दी। अब भर्ती नहीं होती सेवा प्रदाता के माध्यम से कर्मचारी लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ठेका प्रथा की आड़ में आरक्षण समाप्त करने का खेल भाजपा कर खेल रही है जबकि मायावती के शासन में ब्राह्मण, पिछड़े, अगड़े, दलित सभी वर्ग के लोगों को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि देश को बचाने के लिए सभी लोग बसपा को वोट दें।

अब 40 स्टार प्रचारक उतार सकेंगे मान्यता प्राप्त दल

» चुनाव प्रचार में निर्वाचन आयोग ने किया बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव प्रचार में निर्वाचन आयोग ने बदलाव किया है। अब मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में 40 स्टार प्रचारकों को उतार सकेंगे जबकि अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को 20 स्टार प्रचारक उतारने की अनुमति होगी। आयोग ने पांचवें, छटें व सातवें चरण के लिए अतिरिक्त स्टार प्रचारकों की सूची 23 फरवरी को शाम पांच बजे तक आयोग या मुख्य निर्वाचन अधिकारी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

आयोग ने कोविड के नए व सक्रिय मामलों में कमी को देखते हुए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा-77 में उल्लिखित स्टार प्रचारकों की अधिकतम संख्या व स्टार प्रचारकों की सूची सौंपे जाने की समय-सीमा में बदलाव किया है। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के स्टार प्रचारकों की संख्या अधिकतम 40 व अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के स्टार प्रचारकों की संख्या अधिकतम 20 कर दी गई है। आयोग ने नौ अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन करके क्रमश: स्टार प्रचारकों की संख्या घटाकर 30 व 15 कर दी थी।

गरीबों की मदद में सबसे आगे रहते हैं मुकेश

क्षेत्र में है राबिन हुड वाली छवि, जनसंपर्क अभियान में उमड़ रही भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रत्याशी मुकेश श्रीवास्तव के जनसंपर्क अभियान में लोगों की उमड़ी भीड़ उनकी लोकप्रियता के ग्राफ को बताने के लिए काफी है। वे क्षेत्र की जनता के दुखदर्द में हमेशा शामिल रहते हैं। यही वजह है कि क्षेत्र में उनकी इमेज राबिनहुड की है। वे बहराइच के पयागपुर से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका दावा है कि जनता सपा के साथ है और पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी।

मुकेश श्रीवास्तव राजनीति को जनता के कल्याण का जरिया मानते हैं। 37 वर्ष की उम्र में वे 2012 में कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके अपने विधान सभा क्षेत्र में कायस्थों के महज 600 वोट हैं लेकिन उन्हें सत्तर हजार वोट मिले थे और वे अपने विरोधी को तीस हजार वोटों से पराजित

» बहराइच के पयागपुर से सपा के टिकट पर लड़ रहे विधान सभा चुनाव

किया था। उनकी कार्यकुशलता से कांग्रेस इतना प्रभावित थी कि उन्हें पांच प्रदेशों पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार और झारखंड का प्रभारी बनाया था। बाद में वे सपा के टिकट पर लड़े। इस बार भी उन्हें सत्तर हजार वोट मिले लेकिन वे चुनाव हार गए। एक बार फिर वे सपा के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं। क्षेत्र के गरीबों में उनकी रॉबिन हुड की ईमेज है। वे बिना भेदभाव के लोगों की मदद के लिए चौबीस घंटे तैयार रहते हैं। उनका कहना है कि भाजपा सरकार बनने के बाद उनकी लोकप्रियता को देखकर उनके खिलाफ कई जांचें करायी गयीं। उनका उत्पीड़न किया गया लेकिन जांच में वे पाक-साफ होकर निकले। वे आज भी जनसेवा में लगे हैं और लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं। बकौल मुकेश श्रीवास्तव, प्रदेश में इस बार समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत से सरकार बनेगी। भाजपा सरकार में पयागपुर में कोई विकास कार्य नहीं किया गया है जिसकी वजह से जनता में भयंकर नाराजगी है। गौरतलब है कि पीएम मोदी पयागपुर में रैली करने आ रहे हैं क्योंकि वे मुकेश श्रीवास्तव की मजबूत दावेदारी को समझ चुके हैं। यहां पांचवें चरण में 27 फरवरी को चुनाव सम्पन्न होगा।

गरीबों का विकास भाजपा सरकार की पहली प्राथमिकता : राजनाथ सिंह

» सरकार बनने के बाद खरीदे जाएंगे बड़ी संख्या में बुलडोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रतापगढ़ के पट्टी विधानसभा क्षेत्र के कलहूगंज बाजार में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस और सपा पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि सपा समाजवाद का ढोंग करने वाली पार्टी है। सबसे बड़े समाजवादी प्रधानमंत्री मोदी हैं। जो भय और भूख से निजात दिला दे वही सच्चा समाजवादी है। प्रधानमंत्री सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा भाजपा के शासनकाल में गुंडे, बदमाश जेल की चारदीवारी के भीतर कैद हैं। किसी में हिम्मत हो तो आज तमंचा के साथ घूमकर दिखा दे। रक्षामंत्री ने कहा कि यूपी में भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार बननी तय है। इसके बाद भारी मात्रा में बुल्डोजर खरीदे जाएंगे, जिससे माफियाओं के घरों को जमीदोंज किया जाएगा। सपा पर निशाना साधते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि गुंडे, बदमाशों और दहशतगर्दों की यह पार्टी सत्ता में आने पर गुंडागर्दी का नंगा नाच करती है। हम डंके की चोट पर चुनाव जीतने की बात करते हैं, वे दंगे की चोट पर। समाजवादी पार्टी जाति-पाति और तुष्टिकरण की राजनीति करती है, हम इंसाफ और इंसानियत की। गरीबों का विकास सरकार की प्राथमिकता में शामिल रहा है। कोरोना महामारी ने भारत की अर्थव्यवस्था पर काफी चोट पहुंचाई, मगर प्रधानमंत्री मोदी और योगी के नेतृत्व में करिश्माई तरीके से कोरोना पर काबू पाया गया। आज पूरी दुनिया भारत के इस साहसिक कार्य का लोहा मान रही है। यही वजह है कि आज भारत में सौ करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण हो चुका है।

होली-दिवाली में मुफ्त में मिलेंगे सिलेंडर

राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के योगी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास 83 योगासन कर रहा है। एक योगासन विपक्ष के लिए छोड़ रहा हूं और वह यह है कि विपक्ष शीर्षासन कर रहा है। राजनाथ सिंह ने केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि यदि उत्तर प्रदेश में सरकार बनी तो होली और दिवाली में 2 एलपीजी सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। हम जो कहते हैं, वह करते हैं। हम जनता की आंखों में धूल नहीं झोंकते।

अखिलेश की पत्नी डिंपल भी करेंगी चुनाव प्रचार

» समाजवादी पार्टी ने शिवपाल को बनाया स्टार प्रचारक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में तीन फेज की वोटिंग हो चुकी है लेकिन अभी चार चरणों में मतदान होना बाकी है। ऐसे में समाजवादी पार्टी चुनावी समीकरण फिट करने के लिए पुरजोर प्रयास कर रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी ने अब शिवपाल सिंह यादव को अपना स्टार प्रचारक बनाया है।

निर्वाचन आयोग से पास हुई लिस्ट में शिवपाल सिंह यादव का नाम स्टार प्रचारकों में भेजा गया है। समाजवादी पार्टी ने स्टार प्रचारकों की एक नई लिस्ट जारी की है, इसमें 30 लोगों को जगह दी गई है। इसमें मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव, प्रो.रामगोपाल यादव और डिंपल यादव का नाम भी शामिल है। बता दें कि स्टार प्रचारकों की लिस्ट में स्वामी प्रसाद मौर्या को भी जगह दी गई है। अब यूपी के चार चरणों में समाजवादी पार्टी के लिए डिंपल और रामगोपाल यादव भी कमान संभालेंगे। इससे पहले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के तीसरे चरण के 16 जिलों में 59 सीटों पर उतरे 627 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है। तीसरे चरण में यादव बेल्ट और बुंदेलखंड के इलाके की सीटों पर हुए मतदान में पिछली बार से कम उत्साह दिखा। चुनाव आयोग के मुताबिक तीसरे दौर की 59 सीटों पर 60.46 फीसदी मतदान रहा जबकि 2017 के विधानसभा चुनाव में यह आंकड़ा 62.21 फीसदी था।

लखनऊ की सभी सीटें जीतेगी भाजपा : ब्रजेश पाठक

» सपा-बसपा पर हमलावर हुए भाजपा प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चौथे चरण के मतदान से पहले योगी सरकार में कानून मंत्री व कैंट विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी बृजेश पाठक ने कहा कि अवध ही नहीं, पूरे प्रदेश में भाजपा की लहर चल रही है और भाजपा के सभी उम्मीदवार सभी विधानसभा सीटों पर भारी बहुमत से आगे हैं। 10 मार्च को भाजपा 300 पार कर लेगी, जनता को इस पार्टी पर पूरा भरोसा है।

पाठक ने जनता से अपील की कि कमल का बटन दबाएं, भाजपा को जिताएं। साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी और बसपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग अराजकता का माहौल बनाते हैं। गुंडागर्दी करते हैं सपा-बसपा के लोग। नियुक्तियों में भ्रष्टाचार करते हैं, रोड सड़क बैठ जाता है, लोग उन्हें क्यों वोट देंगे। भाजपा के पक्ष में जनता ने मन बनाया है और लखनऊ की सभी सीटें भाजपा जीतेगी। उन्होंने कहा कि सपा ने आतंकवादियों का साथ दिया है, उसका परिणाम 10 मार्च को विपक्ष को पता चल जाएगा। बता दें कि चौथे चरण का चुनाव 23 फरवरी को है। कुल 7 चरणों में चुनाव हो रहे हैं। मतगणना दस मार्च को होगी।

जनता झाड़ू से उतारेगी सत्ता का भूत : संजय सिंह

» आप नेता के नेतृत्व में गोरखपुर में कल केजरीवाल की रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कल पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पूर्वांचल दौरे पर रहेंगे। वह संजय सिंह के नेतृत्व में सहजनवां के मुरारी इंटर से अपनी जनसभा की शुरुआत करेंगे।

यही से वह जिले के सभी नौ विधानसभा सीटों को साधेंगे। इससे एक दिन पहले आप नेता संजय सिंह ने मुख्यमंत्री योगी के गर्मी निकालने वाले बयान पर कहा कि यह सड़क छाप नेता की भाषा हो सकती है मुख्यमंत्री की नहीं। उन्होंने कहा कि गोरखपुर, बनारस अयोध्या और लखीमपुर में जब किसी के ऊपर भूत चढ़ जाता है तो झाड़ू से भूत उतारने का काम करते हैं योगी जी व भाजपा पर सत्ता का भूत सवार है, जिसे झाड़ू से जनता उतारेगी। उन्होंने कहा लखीमपुर के लोग भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेकेंगे। इस चुनाव में किसान भाजपा को सबक सिखाकर रहेंगे। वहीं पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता हरीश श्रीवास्तव के अनुसार केजरीवाल सुबह साढ़े नौ बजे गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे और यहां से सीधे मुरारी इंटर कालेज सहजनवां पहुंचेंगे और सुबह 10 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां के बाद वह 12 बजे संत कबीर नगर और दोपहर दो बजे बस्ती के रुधौली में जनसभा करेंगे। सभी जनसभाओं में उनके साथ आप के प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह, प्रदेश प्रभारी अनूप पांडेय, गोरखपुर के जिलाध्यक्ष हरेंद्र यादव, प्रभारी संतोष दुबे, विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी, प्रदेश अध्यक्ष (महिला मोर्चा) नीलम यादव तथा समीर समेत प्रदेश के अन्य नेता मौजूद रहेंगे।

चौथे चरण की 60 सीटों पर सांड़ बड़ा मुद्दा

लखनऊ, रायबरेली सहित 9 जिलों की सीटों पर छिड़ा संग्राम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीलीभीत, लखीमपुर से लेकर लखनऊ-उन्नाव तक आवारा सांड बीजेपी के वोट बैंक को चारा बनाकर खाते दिख रहे हैं। चुनावी एक्सपर्ट के मुताबिक चौथे चरण की 60 सीटों में कम से कम 50 सीटों पर इस बार सांड बड़ा मुद्दा है। ऐसा योगी सरकार में गोवंश को मिले संरक्षण में इनकी तादाद बढ़ने से हुआ है।

वहीं भूख शांत करने के लिए ये फसल को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं सांड लोगों की जान भी ले रहे हैं। सपा और कांग्रेस के नेता लोगों के इस गुस्से को भांप चुके हैं। इसलिए यूपी चुनाव 2022 में भाजपा को सांड मुद्दे पर घेर रहे हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यहां तक कहा कि अगर हमारी सरकार बनती है, तो सांड के हमले में जान गंवाने वालों को 5-5 लाख रुपए का मुआवजा देंगे। आखिर सांड यूपी विधानसभा के मुद्दे में कैसे शामिल हो गया। बता दें कि सांड के चुनावी मुद्दा बनने की कहानी समझने के लिए हमें 2017 का रुख करना होगा। जब योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री का पद संभाला। योगी का गोवंशी पशुओं के प्रति लगाव जगजाहिर है। चंद महीनों में ही उन्होंने प्रदेश के अवैध बूचड़खानों को बंद करवाया। योगी सरकार ने गाय या गोवंश पशुओं की हत्या पर बने कानून में संशोधन करते हुए 10 साल की सजा का प्रावधान किया था। इस कदम का एक असर ये हुआ कि यूपी की सड़कों पर आवारा पशुओं की तादाद बढ़ती गई।

2019 में पशु गणना की रिपोर्ट में मवेशियों की आबादी में 17 फीसदी बढ़ोत्तरी हुई थी। जबकि देश में आवारा पशुओं की संख्या में गिरावट हुई थी। अब विधानसभा चुनाव 2022 में एक बार फिर सांड मुद्दा बन चुका है। यही वजह है कि गोवंश को लेकर विपक्ष को जवाब देने के लिए पीएम मोदी, सीएम योगी गाय को लेकर बयान जारी कर रहे हैं। हालांकि इसको वोटों के ध्रुवीकरण से जोड़कर देखा जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।